

भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. *288
12.07.2019 को उत्तर के लिए

आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलें

***288. श्री जयदेव गल्ला :**

क्या पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या विभिन्न गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) सरसों, बैंगन इत्यादि पर आपत्ति जता रहे हैं;
- (ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;
- (ग) क्या यह सच है कि किसान आनुवंशिक रूप से संशोधित और अधिक फसलों को आरंभ किए जाने की मांग कर रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (घ) क्या मंत्रालय ने आनुवंशिक रूप से संशोधित सरसों, बैंगन इत्यादि के संबंध में जैव-सुरक्षा आंकड़ा जारी किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
- (ङ) क्या मंत्रालय को इस संबंध में विभिन्न हितधारकों, आम जनता, विशेषज्ञों एवं अन्यो से कोई फीडबैक प्राप्त हुआ है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री

(श्री प्रकाश जावडेकर)

(क) से (ङ) : एक विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

‘आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों’ के बारे में दिनांक 12.07.2019 को उत्तर के लिए श्री जयदेव गल्ला द्वारा पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *288 के उत्तर में संदर्भित विवरण।

(क) और (ख) जी, हां। मंत्रालय को आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) सरसों, बैंगन की फसलों इत्यादि के विरुद्ध इस आधार अभ्यावेदन पर प्राप्त हुए हैं कि आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलें पर्यावरण, जैव विविधता और मानव स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव डाल सकती हैं।

(ग) जी, हां। महाराष्ट्र में एक किसान संगठन शेतकारी संगठन ने इस मंत्रालय को भारत में किसानों के कल्याण के लिए और अधिक जीएम फसलों तक पहुंच प्राप्त करने की अनुमति देने के लिए लिखा है।

(घ) जी, हां। आनुवंशिक अभियांत्रिकी मूल्यांकन समिति द्वारा जन परामर्श के दौरान जीएम बैंगन और जीएम सरसों के संबंध में जैव सुरक्षा विनियमों के अनुसार जैव सुरक्षा संबंधी आंकड़े उपलब्ध कराए गए थे।

(ङ) जी, हां। अनेक हितधारकों से जीएम बैंगन और जीएम सरसों को जारी किए जाने के पक्ष और विपक्ष, दोनों में फीडबैक प्राप्त हुआ था। आनुवंशिक अभियांत्रिकी मूल्यांकन समिति ने फीडबैक पर उपयुक्त रूप से विचार किया था, जिसने पर्यावरण तथा स्वास्थ्य पर प्रभाव के मूल्यांकन के लिए अतिरिक्त अध्ययन किए जाने की सलाह दी है।
